

## पोखरण-II की 25वीं वर्षगाँठ

### प्रलम्बिस के लिये:

पोखरण- I, पोखरण- II, [परमाणु अप्रसार संधि \(NPT\)](#), [राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दविस](#), ['नो फरसट यूज'](#) नीति

### मेन्स के लिये:

भारत की परमाणु क्षमताओं को आकार देने में पोखरण- II का महत्त्व, भारत का परमाणु सदिधांत और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये इसके नहितारथ

## चर्चा में क्यों?

भारत ने 11 मई, 2023 को पोखरण-II की 25वीं वर्षगाँठ मनाई, जो सफल परमाणु बम परीक्षण वसिफोटों को चहिनति करती है और [परमाणु शक्ति](#) बनने की यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर साबति हुआ ।

- 11 मई को उन भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों एवं प्रौद्योगिकीविदों को सम्मानति करने के लिये [राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दविस](#) के रूप में भी मनाया जाता है, जनिहोंने देश की वैज्ञानिक एवं तकनीकी उन्नति हेतु कार्य कथिा तथा पोखरण परीक्षणों के सफल आयोजन को सुनिश्चति कथिा ।

## पोखरण-II और परमाणु शक्ति के रूप में भारत की यात्रा:

### उद्भव:

- वर्ष 1945 में प्रसदिध भौतिक वज्जानी होमी जे. भाभा ने बॉम्बे में [टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रसिर्च \(TIFR\)](#) की स्थापना हेतु सफिराशि की, जो परमाणु भौतिकी अनुसंधान के लिये समर्पति था ।
  - TIFR परमाणु भौतिकी के अध्ययन के लिये समर्पति भारत का पहला शोध संस्थान है ।
- स्वतंत्रता के बाद भाभा ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को परमाणु ऊर्जा के महत्त्व के बारे में आश्वस्त कथिा और वर्ष 1954 में भाभा के निर्देशन में परमाणु ऊर्जा वभिाग (DAE) की स्थापना की गई, जसिके प्रथम नदिशक होमी जहाँगीर भाभा थे ।
  - सार्वजनिक पहुँच से दूर DAE स्वायत्त रूप से संचालति है ।

### भारत के परमाणु हथियारों की खोज का कारण:

- भारत के परमाणु हथियारों की खोज चीन और पाकसितान से इसकी संप्रभुता एवं सुरक्षा खतरों पर चतिाओं से प्रेरति थी ।
- वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध और वर्ष 1964 में चीन के परमाणु परीक्षण ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता को बढ़ा दथिा ।
- वर्ष 1965 में पाकसितान के साथ हुए युद्ध, जसिमें पाकसितान को चीन का समर्थन प्राप्त था , ने रक्षा क्षमताओं में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर बल दथिा ।

### पोखरण- I:

#### परचिय:

- वर्ष 1970 के दशक तक भारत परमाणु बम परीक्षण करने में सक्षम था ।
  - पोखरण-I भारत का पहला परमाणु बम परीक्षण था जो 18 मई, 1974 को राजस्थान के पोखरण टेस्ट रेंज में कथिा गया था ।
  - इसका कोड-नेम स्माइलिंग बुद्धा था और आधिकारिक तौर पर इसे "कुछ सैन्य प्रभाव" के साथ "शांतपूरण परमाणु परीक्षण" के रूप में वर्णति कथिा गया था ।
  - भारत अमेरिका, सोवियत संघ, ब्रिटिन, फ्रांस और चीन के बाद परमाणु हथियार क्षमता वाला दुनयिा का छठा देश बन गया है ।

#### परीक्षण के नहितारथ:

- परीक्षणों को लगभग सार्वभौमिक नदिा और वशिष रूप से अमेरिका एवं कनाडा से गंभीर प्रतर्बिधों का सामना करना पड़ा था ।
- इसने परमाणु प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगतिको बाधति कथिा, साथ ही परमाणु के क्षेत्र में वकिस की गतिको को धीमा कर दथिा था ।
- घरेलू राजनीतिक अस्थरिता, जैसे वर्ष 1975 का आपातकाल एवं परमाणु हथियारों का वशिध भी प्रगतिमें बाधा बन गया ।

#### पोखरण-I के बाद:

- पाकस्तान की इस क्षेत्र में उपलब्धियों के कारण 1980 के दशक में परमाणु हथियारों के विकास को पुनः बढ़ावा दिया गया।
- भारत ने अपने मसिाइल कार्यक्रम हेतु वित्तीयन में वृद्धि की और अपने प्लूटोनियम भंडार का वस्तितार किया।

#### ■ पोखरण-II:

##### ○ परचिय:

- पोखरण-द्वितीय राजस्थान के पोखरण रेगसितान में 11-13 मई, 1998 के बीच भारत द्वारा किये गए पाँच परमाणु बम परीक्षण वस्फोटों की शृंखला को संदर्भित करता है।
- कोड नाम - ऑपरेशन शक्ति, इस घटना ने भारत के दूसरे सफल प्रयास को चहिनति किया।

##### ○ महत्त्व:

- पोखरण-द्वितीय ने परमाणु शक्ति के रूप में भारत की स्थिति को मज़बूत किया।
- इसने परमाणु हथियारों को रखने और तैनात करने की भारत की क्षमता का प्रदर्शन किया, इस प्रकार इसकी नविकरक क्षमताओं को बढ़ाया।
- प्रधानमंत्री अटल बहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर खुद को पोखरण-द्वितीय के बाद परमाणु हथियार रखने वाले राज्य के रूप में घोषित किया।

##### ○ नहितारथ:

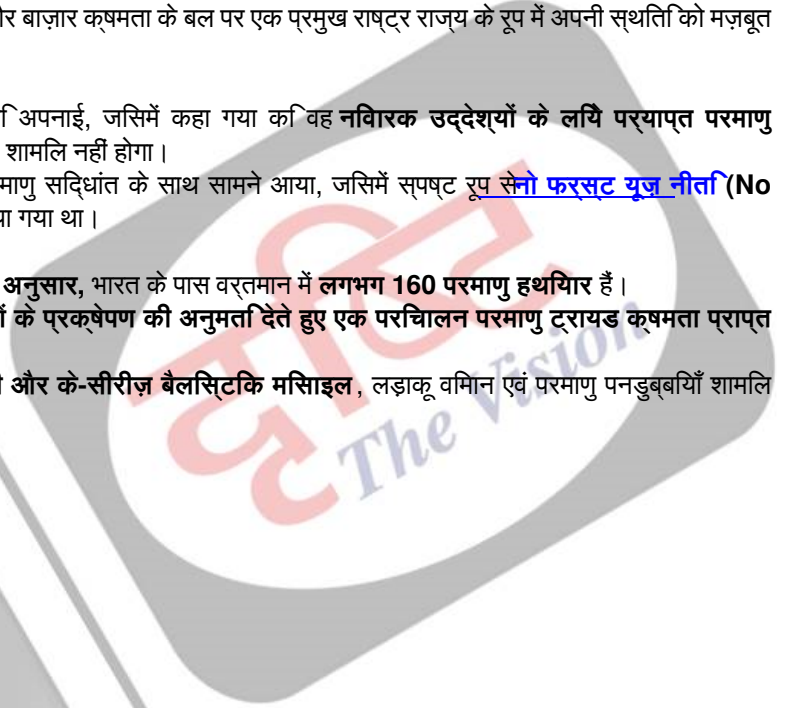
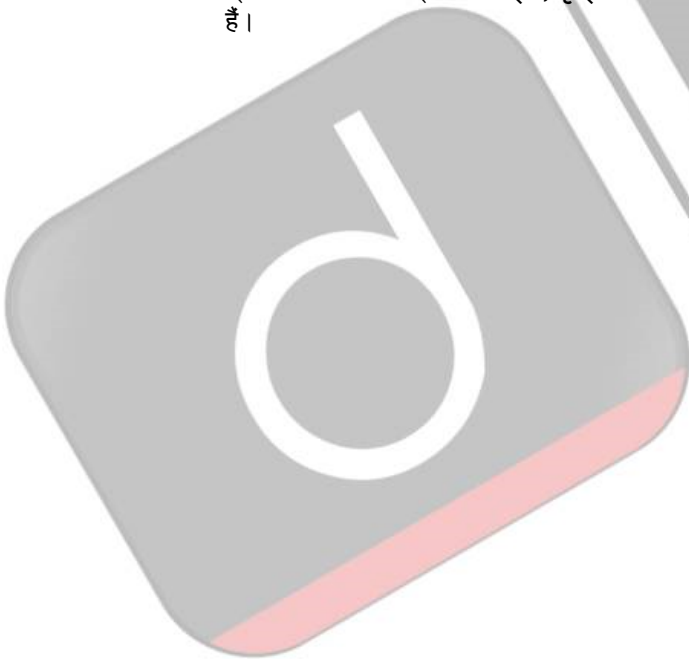
- जबकि वर्ष 1998 में हुए परीक्षणों के कारण भी कुछ देशों (जैसे अमेरिका) ने प्रतर्बिध लगाए, नदि (Condemnation) 1974 की तरह सार्वभौमिक थी।
- भारत ने तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और बाज़ार क्षमता के बल पर एक प्रमुख राष्ट्र राज्य के रूप में अपनी स्थिति को मज़बूत किया।

#### ■ भारत का परमाणु सदिधांत:

- भारत ने विश्वसनीय न्यूनतम प्रतर्बिध की नीति अपनाई, जिसमें कहा गया कि वह नविकरक उद्देश्यों के लिये पर्याप्त परमाणु शस्त्रागार बनाए रखेगा लेकिन हथियारों की दौड़ में शामिल नहीं होगा।
- वर्ष 2003 में भारत आधिकारिक तौर पर अपने परमाणु सदिधांत के साथ सामने आया, जिसमें स्पष्ट रूप से **सेनो फरसट यूज़ नीति (No First Use Doctrine)** नीति पर वस्तितार से बताया गया था।

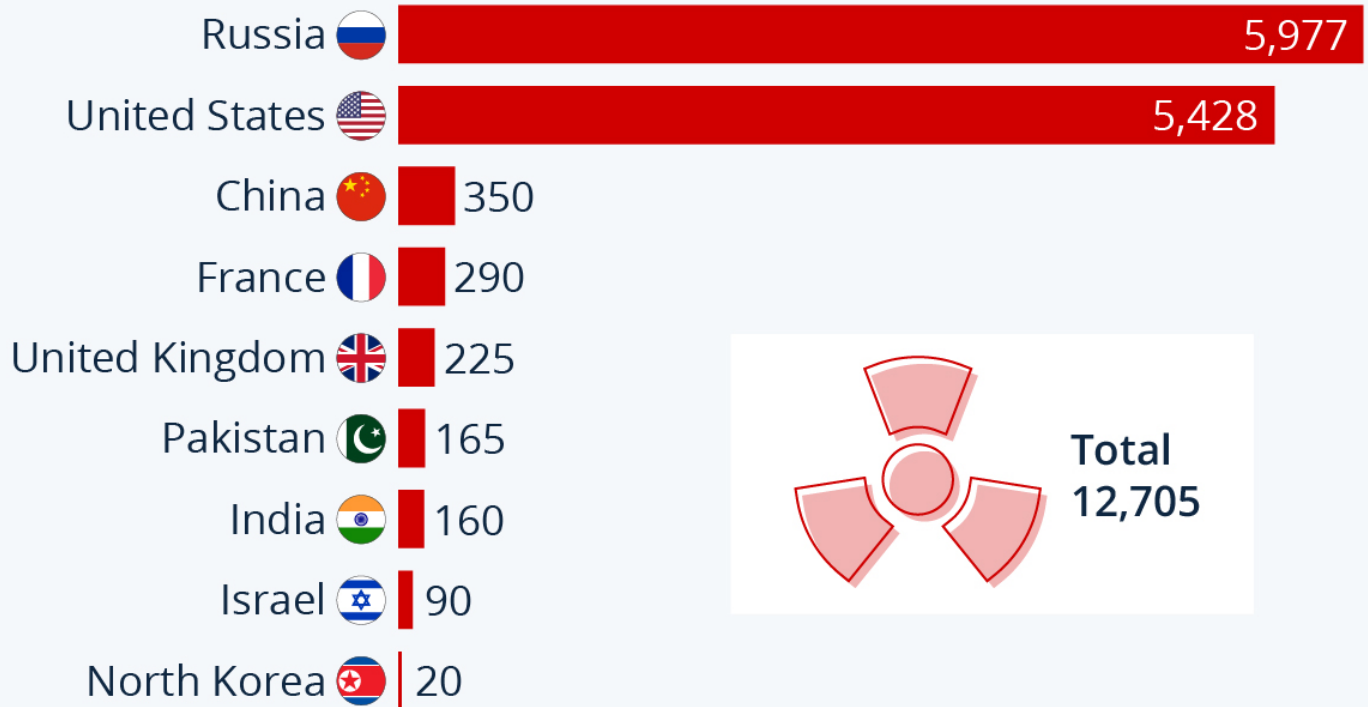
#### ■ भारत की वर्तमान परमाणु क्षमता:

- फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (FAS) के अनुसार, भारत के पास वर्तमान में लगभग 160 परमाणु हथियार हैं।
- भारत ने भूमि, वायु और समुद्र से परमाणु हथियारों के प्रक्षेपण की अनुमति देते हुए एक परचालन परमाणु ट्रायड क्षमता प्राप्त की है।
- ट्रायड डिलीवरी सिस्टम में अग्नि, पृथ्वी और के-सीरीज़ बैलस्टिक मसिाइल, लड़ाकू वमिन एवं परमाणु पनडुब्बियाँ शामिल हैं।



# The Countries Holding The World's Nuclear Arsenal

Estimated global nuclear warhead inventories (2022)\*



\* Includes deployed, stockpiled and retired warheads awaiting disarmament

Source: Federation of American Scientists



statista

## परमाणु हथियारों के बारे में वभिन्न अंतरराष्ट्रीय संधियों पर भारत की स्थिति:

- **अपरसार संधि (NPT) 1968:**
  - भारत इसका हस्ताक्षरकर्ता नहीं है; संधि की कथलि भेदभावपूर्ण प्रकृति और परमाणु हथियार वाले राज्यों से पारस्परिक दायित्वों की कमी के बारे में चिंताओं का हवाला देते हुए NPT को स्वीकार करने से इनकार कर दिया गया।
- **व्यापक परमाणु-परीक्षण-प्रतिबंध संधि (CTBT):**
  - भारत ने सीटीबीटी पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं क्योंकि यह परमाणु हथियार संपन्न राज्यों (NWS) की समयबद्ध नरिस्त्रीकरण प्रतिबद्धता का प्रबल समर्थक है और यह CTBT पर हस्ताक्षर न करने के कारण के रूप में इसमें प्रतिबद्धता की कमी का दावा करता है।
- **परमाणु हथियार नषिध संधि (TPNW):**
  - यह 22 जनवरी, 2021 से प्रभावी है और भारत इस संधि का सदस्य नहीं है।

- **परमाणु आपूर्तकिरता समूह (NSG):**
  - भारत NSG का सदस्य नहीं है।
- **वासेनार अरेंजमेंट:**
  - भारत दसिंबर 2017 को 42वें सदस्य के रूप में इसमें शामिल हुआ।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा पछिले वर्ष के प्रश्न

**प्रश्न. नमिनलखिति देशों पर वचिर कीजयि: (2015)**

1. चीन।
2. फ्राँस
3. भारत
4. इज़रायल
5. पाकसितान

उपर्युक्त में से कौन-से परमाणु हथयिर संपन्न राज्य हैं जनिहें परमाणु हथयिरों के अप्रसार पर संधिद्वारा मान्यता प्राप्त है, जसिे आमतौर पर परमाणु अप्रसार संधि(NPT) के रूप में जाना जाता है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1, 3, 4 और 5
- (c) केवल 2, 4 और 5
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

**उत्तर: (a)**

**प्रश्न. कसिी देश के 'परमाणु आपूर्तकिरता समूह' का सदस्य बनने का/के क्या परिणाम है/ हैं? (2018)**

1. इसकी नवीनतम और सबसे कुशल परमाणु प्रौद्योगिकियों तक पहुँच होगी।
2. यह स्वचालित रूप से "परमाणु हथयिरों के अप्रसार पर संधि(NPT)" का सदस्य बन जाता है।

**उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?**

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

**उत्तर: (a)**

**??????:**

**प्रश्न. क्या भारत को अपनी बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम का वसितार करते रहना चाहयि? नाभिकीय ऊर्जा से संबंधित तथ्यों और आशंकाओं पर चर्चा कीजयि। (2018)**

**प्रश्न. भारत में नाभिकीय वज्ज्ञान और प्रौद्योगिकी की सवृद्धि और वकिस का वविरण प्रस्तुत कीजयि। भारत में तीव्र प्रजनक रएिक्टर कार्यक्रम का क्या लाभ है? (2017)**

**स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस**